ऊर्जा मंत्री ने किया, 33/11 केवी ऑटोमैटिक ग्रिड का उद्घाटन

आईटीओ के पास, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर बना है यह ग्रिड

नई दिल्लीः 17 अप्रैल, 2015। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने आज आईटीओ के पास, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर बीवाईपीएल के ऑटोमैटिक ग्रिड का उद्घाटन कर इसे दिल्ली की जनता को समर्पित किया। 33/11 केवी के इस अत्याधुनिक ग्रिड की क्षमता 50 एमवीए है।

उद्घाटन समारोह में खाद्य व आपूर्ति मंत्री श्री आसिम अहमद खान, सेक्रेटरी पावर श्री सुकेश कुमार जैन, दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड के एमडी श्री संजीव सिंह के अलावा, बीवाईपील के सीईओ श्री पी.आर. कुमार और बीआरपीएल के सीईओ श्री अरविन्द गुजराल भी मौजूद थे।

इस ग्रिड के संचालन में मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होगी। इसे सीधे स्काडा सेंटर या कंट्रोल रूम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। कोई खराबी आने पर भी उसे स्काडा सेंटर या कंट्रोल रूम से ही ठीक किया जा सकता है।

20 करोड़ की लागत से तैयार इस ग्रिड से मुख्य तौर पर इन इलाकों को फायदा होगाः सीपीडब्लूडी फ्लैट्स, दिल्ली सचिवालय, राउज एवेन्यू, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, कोटला रोड, तुर्कमान गेट, आईपी एस्टेट, बहादुरशाह जफर मार्ग, आईटीओ, जीबी पंत अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल और मौलाना अबुल कलाम आजाद मेडिकल कॉलेज व अस्पताल।

खास बात यह है कि मध्य दिल्ली के तीनों महत्वपूर्ण अस्पतालों–– जीबी पंत अस्पताल, एलएनजेपी अस्पताल और मौलाना अबुल कलाम आजाद मेडिकल कॉलेज को बिजली का एक और स्रोत मिल जाएगा।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री पी.आर. कुमार ने कहा– आमतौर पर किसी भी ग्रिड को दो स्रोतों से बिजली मिलती है, लेकिन इस ग्रिड को तीन अलग–अलग स्रोतों से मिलेगी। इससे ग्रिड और इसकी बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह ग्रिड इस इलाके के 30 वितरण ट्रांसफॉर्मरों को बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति करेगा। ग्रिड के निर्माण में 20 किलोमीटर अंडर ग्राउंड केबल का इस्मेताल हुआ है।

श्री पी.आर. कुमार के मुताबिक, इस ग्रिड की एक विशेषता यह भी है आने वाले दिनों में जरूरत पड़ने पर इसकी क्षमता बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल इसकी क्षमता 50 एमवीए है, लेकिन अगर इस इलाके में बिजली की मांग बढ़ती है, तो इस ग्रिड की क्षमता को बढ़ाकर 75 एमवीए किया जा सकता है। हमें पूरा विश्वास है कि बीवाईपीएल इलाके में तेजी से बढ़ रही बिजली की मांग को हम सफलतापूर्वक पूरा करेंगे और शहर के विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे।

बीएसईएस प्रवक्ता के अनुसार, अब तक दरियागंज इलाके के ग्रिडों के पास 279 एमवीए बिजली वितरित करने की क्षमता थी। नए ग्रिड के आने के बाद यह क्षमता बढ़कर करीब 330 एमवीए हो गई है।

विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निबटने के लिए, इस ग्रिड में अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। सिस्टम की सुरक्षा के लिए पश्चिमी देशों में इस्तेमाल होने वाले न्यूमैरिकल रिले का इस्तेमाल भी किया गया है। इस ग्रिड के लिए खासतौर पर अंडरग्राउंड 66 केवी केबलों का इस्तेमाल किया गया है, जो ओवरहेड तारों की तुलना में अधिक कुशलता के साथ काम करेंगे, और उनमें फॉल्ट होने की आशंका भी काफी कम होगी। ग्रिड में न्यूमैरिकल रिले लगाए गए हैं, जो फॉल्ट्स को पहचान लेंगे और उचित कदम उठाने के लिए ऑटोमैटिक तरीके से ब्रेकर्स को सिग्नल भेजेंगे। आग से ट्रांसफॉर्मरों की सुरक्षा के लिए एनआईएफपीएस सिस्टम लगाया गया है।